# ओदी रज़ा च राज़ी रह भगता

ओदी रज़ा च राज़ी रह भगता,
तू हर पल ध्यान लगाया कर,
तेरा शुक्र दातीये कह भगता,
ओदी रज़ा च राज़ी रह भगता.....

चरना दी गंगा विच, जेहड़ा डुब जाये ओह तर जाँदा ए,
नाम दे मोती मिलन ओनु, जेहड़ा इस विच गोते खांदा ए ,
जे डुब्या ऐ ते डुब्बया रह, मैनु डोबी रख एह कह भगता ,
ओदी रज़ा च राज़ी रह भगता.....

जो हुँदा चंगे लई हुँदा, केहन्दे लोक सयाणे ,
की करना ए की नही करना, मेहरावाली जाणे ,
की होया एह क्यों होया, इन्ना फिकरा विच न पै भगता ,
ओदी रज़ा च राज़ी रह भगता.....

दुःख सुख धुप ते छा भगतो, सदा जिंदगी नाल ही रहने ने ,
सदा नई हुंदे फायदे, घाटे वी सहने पैने ने,
तू वी दासा वांग सदा, मुँहो जय माता दी कह भगता,
ओदी रज़ा च राज़ी रह भगता.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26952/title/ohdi-raza-ch-razi-reh-bhagta

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |